पाठ - २ गोल

लेखक का नाम - मेजर ध्यानचंद

लेखक परिचय : इस पाठ के लेखक मेजर ध्यानचंद हैं। वे भारत के महान हॉकी खिलाड़ी थे और उन्हें 'हॉकी का जादूगर' कहा जाता था। उनका जन्म 1905 में हुआ था। भारत सरकार उनके जन्मदिन को 'राष्ट्रीय खेल दिवस' के रूप में मनाती है। उनके नाम पर भारत का सर्वोच्च खेल पुरस्कार 'खेल रत्न' दिया जाता

शब्दार्थ

- **लांस नायक** → भारतीय सेना का एक पद (रैंक) है।
- **बर्लिन ओलंपिक** → वर्ष 1936 में जर्मनी के बर्लिन शहर में आयोजित ओलंपिक खेल प्रतियोगिता।
- **पंजाब रेजिमेंट** → स्वतंत्रता से पहले अंग्रेजों की भारतीय सेना का एक दल।
- **सैपर्स एंड माइनर्स टीम** → अंग्रेजों के समय का एक हॉकी दल।
- **सूबेदार** → स्वतंत्रता से पहले सूबेदार भारतीय सैन्य अधिकारियों का दूसरा सबसे बड़ा पद था।
- **छावनी** → सैनिकों के रहने का क्षेत्र।

लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. सन 1933 में मेजर ध्यानचंद किस रेजिमेंट की ओर से खेलते थे?

उत्तर: पंजाब रेजिमेंट की ओर से।

प्रश्न 2. किस टीम के बीच मुकाबला हो रहा था?

उत्तर: पंजाब रेजिमेंट और सैपर्स एंड माइनर्स टीम के बीच।

प्रश्न 3.खिलाड़ी ने मेजर ध्यानचंद को कहाँ मारा?

उत्तर: सिर पर हॉकी स्टिक मारी।

प्रश्न 4. मेजर ध्यानचंद ने कितने गोल किए?

उत्तर: छह गोल किए।

प्रश्न 5. खेल समाप्त होने के बाद मेजर ध्यानचंद ने क्या किया?

उत्तर: खिलाड़ी की पीठ थपथपाई और उसे समझाया।

दीर्घउत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. मेजर ध्यानचंद ने खेल भावना का परिचय किस प्रकार दिया?

उत्तर: मेजर ध्यानचंद ने हमेशा खेल को ईमानदारी और अनुशासन के साथ खेला। जब एक खिलाड़ी ने गुस्से में आकर उनके सिर पर हॉकी स्टिक मारी, तब भी उन्होंने क्रोध नहीं किया। उन्होंने शांत रहकर अपने खेल से उत्तर दिया और कई गोल किए। इससे उनकी महान खेल भावना दिखाई देती है।

प्रश्न 2. बर्लिन ओलंपिक में भारतीय टीम की जीत का क्या महत्व था?

उत्तर: बर्लिन ओलंपिक में भारतीय टीम की जीत ने पूरे विश्व में भारत का नाम रोशन किया। इस जीत से भारतीय हॉकी की श्रेष्ठता सिद्ध हुई और देशवासियों का गौरव बढ़ा।

प्रश्न 3."गोल" पाठ से हमें क्या शिक्षा मिलती है? समझाइए।

उत्तर: "गोल" पाठ से हमें मेहनत, अनुशासन और खेल भावना की शिक्षा मिलती है। हमें कठिन परिस्थितियों में भी धैर्य नहीं खोना चाहिए। सफलता पाने के लिए निरंतर अभ्यास और आत्मविश्वास आवश्यक है। साथ ही, हमें क्रोध और बदले की भावना से दूर रहकर अच्छा व्यवहार करना चाहिए।

प्रश्न 4. मेजर ध्यानचंद को 'हॉकी का जादूगर' क्यों कहा जाता था?

उत्तर: मेजर ध्यानचंद की हॉकी खेलने की कला बहुत अद्भुत थी। गेंद उनकी स्टिक से ऐसे चिपकी रहती थी कि लोग आश्चर्यचकित हो जाते थे। इसलिए उन्हें 'हॉकी का जादूगर' कहा जाता था।

क्षमता निर्माण

निर्देश: नीचे दिए गए कथन (A) और कारण (R) को पढ़कर सही विकल्प चुनिए।

विकल्प:

- (क) A और R दोनों सत्य हैं तथा R, A की सही व्याख्या करता है।
- (ख) A और R दोनों सत्य हैं, परंतु R, A की सही व्याख्या नहीं करता।
- (ग) A सत्य है, परंतु R असत्य है।
- (घ) A असत्य है, परंतु R सत्य है।

1. कथन (A): मेजर ध्यानचंद को "हॉकी का जादूगर" कहा जाता है।
कारण (R): वे अपने अद्भुत खेल कौशल के लिए प्रसिद्ध थे।

उत्तर: (क) A और R दोनों सत्य हैं तथा R, A की सही व्याख्या करता है।

2. कथन (A): ध्यानचंद ने विरोधी खिलाड़ी से मारपीट करके बदला लिया।
कारण (R): वे खेल भावना में विश्वास रखते थे।

उत्तर: (घ) A असत्य है, परंतु R सत्य है।